कृष्ण गोविन्द गोविन्द गोपाल नन्दलाल

कृष्ण गोविन्द गोविन्द, गोपाल नन्दलाल,
कृष्ण गोविन्द गोविन्द, गोपाल नन्दलाल ॥
*हे गोपाल नन्दलाल, गोपाल नन्दलाल,
गोपाल नन्दलाल, हे गोपाल नन्दलाल ।
कृष्ण गोविन्द गोविन्द, गोपाल नन्दलाल,
कृष्ण गोविन्द गोविन्द, गोपाल नन्दलाल ॥

वो बदन मयंक वारो, मोहे धनुवंक वारो ।
*वो टेढ़ी सी लंक वारो, रूप उजियारो है ।
वो लोचन विशाल वारो, गलमणि माल वारो ॥
वो मस्त गज चाल वारो, जग से निहारियो है ॥

वो पीत-पट पेट वारो, मधु भरी सेंट वारो ।
*वो लाल बलवीर प्यारो, करत नटारियो है ।
वो मोर की मुकुट वारो, टेढ़ी सी लकुट वारो ॥
वो टेढ़ी टांग वारो कृष्ण, देवता हमारो है ।
वो टेढ़ी टांग वारो कृष्ण साहिब हमारो है ।
कृष्ण गोविन्द गोविन्द,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

भजूँ तो गोपाल इक, सेवूँ तो गोपाल इक ।
*हो,,, मेरो मन लगयो सब, भाँती नन्दलाल सो ।
मेरे देवी देव गुरू, मात-पिता बन्धु इष्ट ॥
हो,,, मित्र सखा नातो सब, इक गोपाल सो ॥

हरिशचन्द्र और सोना, कछु सम्बन्ध मेरो ।
हो,,, आश्रय सदा इक, लोचन विशाल सो ।
जो मांगु तो गोपाल सोना, मांगु तो गोपाल सो ॥
जो रिझु तो गोपाल सो, खिझु तो गोपाल सो ॥
कृष्ण गोविन्द गोविन्द,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मेरा श्याम मयंक, मन हो चुका है ।
*वो जान हो चुका है, जिगर हो चुका है ।
ये सच मानिये उसकी, हर इक अदा पर ॥
जो भी पास था सब, नजर हो चुका है ॥
कृष्ण गोविन्द गोविन्द,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25368/title/krishan-govind-govind-gopal-nandlal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |